जय भिक्षु

हे प्रभो! यह तेरापंथ

अर्हम्

जय महाश्रमण

जैन परम्परा का महान पर्व पर्युषण पर्वाधिराज

अध्यात्म चेतना के जागरण का पर्व
आत्म दर्शन का अनूठा पर्व
मोक्ष मार्ग की विशेष आराधना का पर्व
मन की ग्रंथियों को खोलने का पर्व

पर्युषण पर्वाराधना महाशिविर

पावन सान्निध्य : परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण

स्थान : महावीर समवसरण, संयम विहार, वेसु, सूरत
दिनांक : 1 सितम्बर 2024 से 8 सितम्बर 2024 तक

पर्युषण कार्यक्रम

1 से 7 सितम्बर 2024
मुख्य प्रवचन कार्यक्रम
प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक

भगवती संवत्सरी महापर्व

8 सितम्बर 2024
मुख्य प्रवचन कार्यक्रम :
प्रातः 7:00 बजे से

परस्परोपग्रहो जीवानाम्
॥ जय जिनेन्द्र ॥

खमतखामणा कार्यक्रम

9 सितम्बर 2024
प्रातः 6:30 बजे से

आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति, सूरत

पर्युषण पर्वाराधना सहित नवाह्निक कार्यक्रम

पर्युषण पर्व दिवस

1 सितम्बर 2024 भाद्रव कृष्णा 14	रविवार	खाद्य संयम दिवस
2 सितम्बर 2024 भाद्रव कृष्णा अमावस्या	सोमवार	स्वाध्याय दिवस
3 सितम्बर 2024 भाद्रव कृष्णा अमावस्या	मंगलवार	सामायिक दिवस
4 सितम्बर 2024 भाद्रव शुक्ला 1	बुधवार	वाणी संयम दिवस
5 सितम्बर 2024 भाद्रव शुक्ला 2	गुरुवार	व्रत चेतना दिवस
6 सितम्बर 2024 भाद्रव शुक्ला 3	शुक्रवार	जप दिवस
7 सितम्बर 2024 भाद्रव शुक्ला 4	शनिवार	ध्यान दिवस
8 सितम्बर 2024 भाद्रव शुक्ला 5	रविवार	भगवती संवत्सरी महापर्व
9 सितम्बर 2024 भाद्रव शुक्ला 6	सोमवार	खमतखामणा दिवस

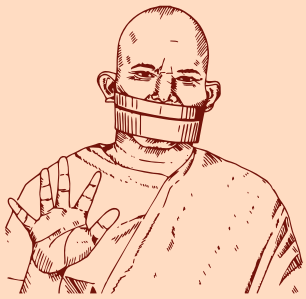

विशेष उद्‌बोधन

भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा

आचार्य श्री महाश्रमण

पर्युषण, दस धर्म, प्राग् ऐतिहासिक व ऐतिहासिक तीर्थंकरों का
जीवन दर्शन, तेरापंथ का इतिहास व निर्धारित विषयों आदि पर
गीत, वक्तव्य मुख्यमुनि श्री महावीरकुमारजी
साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी, साध्वीवर्या संबुद्धयशाजी आदि
विभिन्न चारित्रात्माओं के द्वारा ।

जय जय ज्योति चरण जय जय महाश्रमण

विशेष करणीय उपक्रम

1. अखण्ड जप में सहभागिता
   (महिलाओं की प्रातः 6 बजे से सायं 7 बजे तक।
   पुरुषों की सायं 7 बजे से प्रातः 6 बजे तक)
2. प्रतिदिन सायंकालीन प्रतिक्रमण।
3. संवत्सरी को यथासंभव उपवास और पौषध।
4. तप अनुष्ठान

पर्युषण पर्वाराधना महाशिविर

संभावित कार्यक्रम : समय सारिणी (लगभग)

प्रातः	05. 15 से सूर्योदय तक	अर्हत् स्तुति, अर्हत् वन्दना, उपासना आदि
प्रातः	07.00 से 07.55 बजे तक	प्रेक्षाध्यान साधना
प्रातः	08.00 से 08.30 बजे तक	तात्त्विक विश्लेषण (25 बोल आधारित)
प्रातः	08.30 से 09.00 बजे तक	आगम स्वाध्याय (उत्तरज्झयणाणि)
प्रातः	11.10 से 11.40 बजे तक	कायोत्सर्ग (बैठे-बैठे)
मध्याह्न :	01.30 से 02.00 बजे तक	जप (नमस्कार महामंत्र)
मध्याह्न :	02.00 से 02.45 बजे तक	आगम वाचन (गुरु सान्निधि)
मध्याह्न :	03.00 से 03.30 बजे तक	अनुप्रेक्षा (मैत्री, अभय, सहिष्णुता)
मध्याह्न :	03.30 से 04.15 बजे तक	आध्यात्मिक सम्बोध
सायं :	06.30 से 09.15 बजे तक	गुरु वन्दना, प्रतिक्रमण, अर्हत् वन्दना, रात्रि व्याख्यान आदि

(प्रतिक्रमण से पहले किये जाने वाले चउवीसत्थव को
सूर्यास्त से पूर्व (10 मिनट के भीतर) भी कर सकते हैं।)

श्रावक समाज इस महाशिविर में भाग लेकर अपने आपको अध्यात्म से भावित करें।

नोट: परिवर्तन सावकाश है। उपरोक्त समयसारिणी को लगभग के रूप में माना जाए।

पर्युषण पर्वाराधना संकल्प सूत्र

- प्रतिदिन 3 सामायिक
- प्रतिदिन 1 घंटा स्वाध्याय
- प्रतिदिन 2 घंटा मौन
- प्रतिदिन आधा घंटा (30 मिनट) जप व ध्यान
- प्रतिदिन 9 द्रव्यों से अधिक खाने का त्याग (पानी, मंजन और दवा को छोड़कर)
- पर्युषण काल में ब्रह्मचर्य व्रत का पालन
- पर्युषण काल में रात्रि भोजन का त्याग
- पर्युषण काल में सिनेमा देखने का त्याग
- पर्युषण काल में सचित्त व जमीकन्द का त्याग

विशेष ज्ञातव्य

- 7 सितम्बर को दोपहर लगभग 2 बजे तक ही समय सारणी के अनुसार कार्यक्रम चल सकेगा ।
- 8 सितम्बर को भगवती संवत्सरी कार्यक्रम में आचार्यवर का महावीर समवसरण में मंगल पदार्पण प्रातः लगभग 10 बजे हो सकेगा ।
- अखण्ड जप 1 सितम्बर 2024 के प्रातः 6 बजे से लेकर 7 सितम्बर सायं 4 बजे तक रह सकेगा ।

अखण्ड जप स्थान : कॉन्फ्रेन्स हॉल (महावीर समवसरण के पास) संयम विहार, सूरत में अखंडजाप चल सकेगा ।

निवेदक :

आचार्यश्री महाश्रमण

सूरत चातुर्मास 2024

आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति, सूरत